भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 72
जिसका उत्तर सोमवार, 18 नवम्बर, 2019 को दिया जाना है

प्रौद्योगिकी अंतरण और अधिग्रहण पर खर्च की गई राशि

72. डॉ. विनय पी. सहस्रबुद्धे:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय पूंजीगत माल नीति (एनसीजीपी) 2016 के अंतर्गत प्रौद्योगिकी विकास कोष की स्थापना में कितनी प्रगति हुई है और विगत तीन वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी अंतरण और अधिग्रहण पर कितनी राशि व्यय की गई है;

(ख) राष्ट्रीय पूंजीगत माल नीति (एनसीजीपी) 2016 के अंतर्गत पूंजीगत माल क्षेत्र के कौशल विकास हेतु क्षेत्रीय अत्याधुनिक ग्रीन फील्ड उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना में कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) क्या केन्द्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान में कोई उन्नयन किया गया है यदि हां, तो राष्ट्रीय पूंजीगत माल नीति (एनजीसीपी) 2016 के अंतर्गत इन उन्नयनों ने अनुसंधान और विद्युत उपकरणों के बेहतर प्रमाणीकरण में संस्थान की किस प्रकार से सहायता की है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
(श्री प्रकाश जावड़ेकर)

(क) से (ग): "भारतीय कैपिटल गुड्स सेक्टर में प्रतिस्पर्धात्मकता की वृद्धि" के लिए भारी उद्योग विभाग की योजना का उद्देश्य प्रौद्योगिकी विकास के लिए उत्कृष्टता केन्दों (सीओई), एकीकृत औद्योगिक अवसंरचना सुविधा (आईआईआईएम), साझा इंजीनियरिंग सुविधा केन्दों (सीईएफसी), प्रौद्योगिकी अधिग्रहण निधि कार्यक्रम (टीएएफपी), परीक्षण एवं प्रमाणन केन्द्र की स्थापना करना, कैपिटल गुड्स सेक्टर के लिए कौशल विकास और प्रौद्योगिकियों का अधिग्रहण करना है। योजना ने अनेक अनुसंधान संस्थानों, जैसे आईआईटी दिल्ली, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी मद्रास, आईआईएससी बैंगलूरु, सीएमटीआई आदि का बजटीय सहायता उपलब्ध कराई है, जो इस सेक्टर में प्रौद्योगिकी के विकास हेतु उद्योग के साथ भागीदारी में कार्य कर रहे हैं। इस समय, इस योजना के तहत आठ उत्कृष्टता केन्द्र, पाँच प्रौद्योगिकी अधिग्रहण निधि कार्यक्रम, दस साझा इंजीनियरिंग सुविधा केन्द्र और तुमकुरु, कर्नाटक में एक मशीन टूल्स पार्क अच्छी प्रगति कर रहे हैं।

केन्द्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), बैंगलूरु सरकारी सहायता के साथ लगातार अपनी परीक्षण सुविधाओं का उन्नयन कर रहा है। यह उन्नयन बिजली उद्योग से मांग और नवीनतम राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर विचार करने पर आधारित है।

सीपीआरआई एक विश्व स्तरीय परीक्षण प्रयोगशाला है, जिसका प्रमाणन अब अधिकांश देशों में स्वीकार किया जाता है। इससे " मेक इन इंडिया" पहल के भाग के रूप में निर्यात में वृद्धि हुई है।

******